

सहकर्मी-समीक्षा की प्रक्रिया

पत्रिका के सभी लेख एक स्वतंत्र सहकर्मी समीक्षक द्वारा मूल्यांकित किये जाते हैं। स्वीकृति तब ही प्रदान की जाती है जब समीक्षक द्वारा प्राप्त अनुशंसाओं पर लेखक द्वारा विचार किया जाए तथा परिवर्तन किया जाए। लेखों की सहकर्मी समीक्षा किसी भी अकादमिक पत्रिका के लिए गुणवत्ता बनाये रखने का प्रमुख उपाय है। समीक्षा की इस प्रक्रिया में संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ विद्वतापूर्ण शोध कार्य का हर दृष्टि से विश्लेषण करते हैं, जिसमें उसका लेखन, सामग्री की सटीकता, लेखन और अकादमिक अनुशासन पर उसका प्रभाव और निहितार्थ शामिल हैं।

विद्वतापूर्ण प्रकाशन में समीक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, और उनके बहुमूल्य विचार लेख की गुणवत्ता को प्रमाणित करते हैं। सहकर्मी समीक्षा, अनुसंधान समुदायों के भीतर मूल्यांकन के लिए एक मानक स्थापित करते हुए, अनुसंधान के अनुमोदन में सहायक होती है।

शिक्षा और अनुसंधान जर्नल 'परिप्रेक्ष्य' अकादमिक मानकों को बनाए रखने और प्रकाशन के लिए प्रस्तुत व्यक्तिगत कार्यों की वैधता सुनिश्चित करने के लिए सहकर्मी समीक्षा की प्रक्रिया से गुजरती है। इसके अलावा, स्वतंत्र संपादकीय निर्णय लेने को सुनिश्चित करने के लिए गुप्त एकल सहकर्मी समीक्षा प्रक्रिया का अनुसरण करती है। समीक्षक की टिप्पणी और सिफारिशों के आधार पर, पांडुलिपियों को संशोधन के लिए लेखकों के पास वापस भेजा जाता है। सहायक संपादक द्वारा संशोधित पांडुलिपि प्राप्त करने के बाद, इसे पुनः समीक्षकों को लेखक द्वारा किये गए परिवर्तनों के अनुमोदन के लिए भेजा जाता है। लेकिन प्रकाशित करने का अंतिम निर्णय संपादक का होता है।

आरंभिक प्रक्रिया: संपादक द्वारा यह निर्धारित करने के लिए प्रत्येक आलेख का मूल्यांकन किया जाता है कि क्या लेख का विषय और

सामग्री विचार के लिए उपयुक्त है या नहीं। यदि आलेख न्यूनतम मानदंडों को पूरा नहीं करता है तो आलेख लेखकों को न्यूनतम समय में लौटा दिए जाते हैं। परामर्श हेतु संपादकीय मंडल का सहयोग भी किया जाता है। तदुपरांत लेखक किसी अन्य स्थान पर अपना आलेख प्रकाशित करने के लिए प्रेषित कर सकते हैं।

सहकर्मी समीक्षा: समीक्षा के आरंभिक चरण के बाद आलेख सह-संपादक को सौंपे जाते हैं, जो उस विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता के आधार पर रेफरियों का चयन करते हैं। गुप्त एकल सहकर्मी समीक्षा प्रक्रिया के तहत एक रेफरी द्वारा आलेख की समीक्षा की जाती है, जहां रेफरी और लेखक दोनों को गुप्त रखा जाता है। रेफरी को आलेख की मौलिकता, नवीनता, स्पष्टता, महत्ता, शोध में योगदान एवं प्रासंगिकता के आधार पर आलेख का मूल्यांकन करने के लिए कहा जाता है। यह भी आँका जाता है कि लेखक ने उस शोध क्षेत्र में स्थापित शोध सामग्री (पुस्तक, जर्नल, आर्टिकल्स) का सही ब्यौरा दिया है या नहीं। समीक्षा में प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर, आलेख को किसी भी एक श्रेणी में रखा जा सकता है जैसे स्पष्ट अस्वीकृति, प्रमुख पुनरीक्षण के बाद पुनर्विचार, मामूली संशोधन के बाद पुनर्विचार, जैसा है वैसा ही स्वीकार करें। समय पर प्रकाशन की सुविधा के लिए, रेफरियों को 1-2 सप्ताह के भीतर अपनी समीक्षा पूरी करने को कहा जाता है। रेफरी से रिपोर्ट मिलने के बाद, सह-संपादक संपादक से आलेख की स्वीकार्यता के लिए सिफारिश करता है।

संस्तुति: रेफरी की टिप्पणियों और सह संपादक की सिफारिश के आधार पर, संपादक आलेख की स्वीकार्यता पर अंतिम निर्णय लेते/लेती हैं और रेफरी की रिपोर्ट के साथ-साथ लेखकों को मूल्यांकन में प्राप्त निर्णय के बारे में सूचित किया जाता है। अंतिम निर्णय "सबमिशन स्वीकार करें", "संशोधन आवश्यक", "समीक्षा के लिए पुनः भेजें", "अन्यत्र दोबारा भेजें", या "सबमिशन अस्वीकार करें" हो सकता है। यदि संशोधन किया जाना है तो निर्णय के 10 दिनों के भीतर

एक संशोधित आलेख फिर से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यह आमतौर पर मूल्यांकन के लिए मूल रेफरी को भेज दिया जाएगा। यदि रेफरी द्वारा सिफारिश की जाती है, तो आलेख को अंतिम रूप से स्वीकार करने से पहले समीक्षा की प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ सकता है।

एक आलेख की अंतिम स्वीकृति रेफरी द्वारा की गई समीक्षात्मक टिप्पणी और संपादकीय बोर्ड के निर्णय पर आधारित होती है। आलेख को अंतिम रूप से स्वीकार किए जाने से पहले आवश्यक समीक्षा चक्रों के आधार पर समीक्षा प्रक्रिया में 2 से 4 सप्ताह का समय लग सकता है। समीक्षा की इस व्यापक प्रक्रिया के बाद, यदि किसी आलेख को अंतिम रूप से स्वीकार किया जाता है, तो उस अंक के संबंध में निर्णय जिसमें आलेख प्रकाशित किया जाएगा, संपादकीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा; और तदनुसार लेखक को सूचित किया जाएगा।

सहकर्मी समीक्षा का उद्देश्य:

- प्रकाशन के लिए गुणवत्तापूर्ण लेखों का चयन करने में मदद के लिए (उन अध्ययनों/अनुसंधानों को फ़िल्टर करें जो लापरवाही एवं गैरविशेषज्ञता से तैयार और निष्पादित किए गए हैं) आधार:
 - लेख की सैद्धांतिक, समाज वैज्ञानिक, शोध पद्धतिगत योग्यता और वैधता ।
 - लेख की प्रासंगिकता के लिए उन आलेखों का चयन करें जो पाठकों एवं शिक्षा के क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।
- ज्ञान के उच्च मानदंडों को प्राप्त करने के लिए पांडुलिपि में अधिकतम संभावित सुधार करना।
- समाज विज्ञान और अनुसंधान के भीतर किसी बेईमानी एवं विसंगतता के विरुद्ध जांच करना।

- संपादकों को चयन के लिए, यह निर्णय लेने में अधिकतम वैध तर्क प्रदान करना कि लेख उनके प्रकाशन के विशेष मानदंडों को पूरा करते हैं।

प्रकाशन पूर्व की अंतिम प्रक्रिया : प्रकाशन के लिए अंतिम रूप से भेजे जाने से पूर्व प्रूफ का एक सेट (पीडीएफ फाइलों के रूप में) ई-मेल द्वारा संबंधित लेखक को भेजा जाएगा, जहाँ लेखक सुधारों को सूचीबद्ध कर सकते हैं और उन्हें ई-मेल द्वारा परिप्रेक्ष्य संपादक, सह-संपादक को भेज सकते हैं। कृपया पंक्ति एवं पृष्ठ संख्या उद्धृत करते हुए सुधार सूचीबद्ध करें। यदि यह किसी कारण से संभव नहीं हो पा रहा है तो, प्रूफ के प्रिंटआउट पर सुधार या टिप्पणी लिखकर सुधार करें और फिर सुधार वाले पृष्ठों को स्कैन कर 05 दिनों के भीतर ई-मेल करें। कृपया इस प्रूफ का उपयोग केवल टेक्स्ट, टेबल और आंकड़ों की टाइपसेटिंग, संपादन, अपूर्णता और अशुद्धि की जांच के लिए करें। प्रकाशन के लिए स्वीकार किए गए आलेख में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन, अनुमति के बिना इस चरण पर विचार नहीं किया जाएगा। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सभी सुधार सह-संपादक को भेजे जाएं: कृपया उत्तर देने से पहले सावधानीपूर्वक जांच कर लें, क्योंकि बाद में किसी भी सुधार को शामिल करने की गारंटी नहीं दी जा सकती है। ध्यान दें कि यदि 07 दिनों के भीतर कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं होती है तो परिप्रेक्ष्य आलेख के प्रकाशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा।

सहकर्मि समीक्षा प्रक्रिया का मुख्य कार्य मानकों को बनाए रखने में मदद करना और यह सुनिश्चित करना है कि शोध कार्य की रिपोर्टिंग यथासंभव सत्य और सटीक हो।

सहकर्मि समीक्षक से अपेक्षाएं

समीक्षा से पहले

कृपया निम्नलिखित बातों पर विचार करें:

- जिस लेख की समीक्षा के लिए आपको कहा जा रहा है, क्या वह आपकी विशेषज्ञता से मेल खाता है?
यदि आपको कोई ऐसी पांडुलिपि प्राप्त होती है जो किसी ऐसे विषय क्षेत्र से है जो आपकी विशेषज्ञता से मेल नहीं खाती है, तो कृपया संपादक को जल्द से जल्द सूचित करें। कृपया वैकल्पिक समीक्षक के सुझाव में संकोच न करें।
- क्या आपके पास आलेख की समीक्षा करने का समय है?
एक लेख की समीक्षा दो सप्ताह के भीतर पूरी की जानी चाहिए। अगर आपको नहीं लगता कि आप इस समय सीमा के भीतर समीक्षा पूरी कर सकते/सकती हैं, तो कृपया संपादक को बताएं और यदि संभव हो तो वैकल्पिक समीक्षक का सुझाव दें। यदि आप किसी आलेख की समीक्षा करने के लिए सहमत हो गए/गयी हैं, लेकिन समय सीमा से पहले काम पूरा नहीं कर पाएंगे/पाएंगी, तो कृपया जल्द से जल्द संपादक से संपर्क करें।
- क्या कोई संभावित हितों का टकराव है?
हालांकि हितों के टकराव आपको पांडुलिपि की ईमानदार समीक्षा करने के अयोग्य नहीं ठहराते, लेकिन समीक्षा करने से पहले संपादकों को हितों के सभी टकरावों का संज्ञान अपेक्षित है। यदि आपके पास हितों के संभावित टकराव के बारे में कोई प्रश्न है, तो कृपया संपादकीय कार्यालय से संपर्क करने में संकोच न करें।

समीक्षा निर्देश:

सहकर्मी समीक्षक की जिम्मेदारी अपने विषय विशेष क्षेत्र में पांडुलिपि को पढ़ना और उसका मूल्यांकन करना है, और फिर लेखकों को उनके आलेख के बारे में रचनात्मक और ईमानदार प्रतिक्रिया देना है।

सहकर्मी समीक्षक के लिए लेख के मजबूत पक्षों और कमजोरियों पर चर्चा करना, कार्य की ताकत और गुणवत्ता में सुधार करने के तरीकों और पांडुलिपि की प्रासंगिकता और मौलिकता का मूल्यांकन करना अपेक्षित है।

संपादकीय निर्णयों में योगदान: सहकर्मी-समीक्षा प्रक्रिया संपादकीय निर्णय लेने में संपादक और संपादकीय बोर्ड की सहायता करती है और आलेख में सुधार लाकर लेखक की मदद करती है।

सजगता: कोई भी चयनित रेफरी जो पांडुलिपि में वर्णित शोध विषय की समीक्षा करने में अयोग्य महसूस करता है या त्वरित समीक्षा करने में असमर्थ है तो, उसे संपादक को सूचित करना चाहिए और समीक्षा प्रक्रिया से हट जाना चाहिए।

गोपनीयता: समीक्षा के लिए प्राप्त किसी भी पांडुलिपि को गोपनीय दस्तावेज माना जाना चाहिए। संपादक द्वारा अधिकृत किए जाने के अलावा सहकर्मी समीक्षक को उसे दूसरों के सामने प्रकट या चर्चा नहीं करनी चाहिए।

निष्पक्षता के मानक: समीक्षा निष्पक्षता से की जानी चाहिए। लेखक की व्यक्तिगत आलोचना अनुचित है। रेफरी को अपने मूल्यांकन का समर्थन तर्कों के साथ स्पष्ट रूप से व्यक्त विचारों के साथ करना चाहिए।

स्रोतों की स्वीकृति: समीक्षकों को इसकी पहचान करनी चाहिए कि आलेख में संदर्भित प्रकाशित कार्यों को संदर्भ में उद्धृत किया गया है अथवा नहीं किया गया है। उन्हें इस बात का संकेत करना चाहिए कि क्या अन्य प्रकाशित टिप्पणियों या तर्कों से संबंधित स्रोत उल्लिखित हैं या नहीं। यदि समीक्षाकर्ता को विचाराधीन पांडुलिपि और कहीं भी

अन्य प्रकाशित किसी आलेख के बीच समानता या ओवरलैप नजर आता है तो वह संपादक को सूचित करें।

हितों का टकराव: सहकर्मी समीक्षा के माध्यम से मिले विशेषाधिकार, प्राप्त जानकारी या विचारों को गोपनीय रखा जाना चाहिए और व्यक्तिगत लाभ के लिए उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

समीक्षा

समीक्षा करते समय, कृपया निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें:

- **सामग्री की गुणवत्ता और मौलिकता,**

क्या लेख कुछ नयी और हस्तक्षेपकारी बातें कहता है जिनके प्रकाशन की आवश्यकता है? क्या यह स्थापित ज्ञान में कुछ जोड़ता है? क्या प्रस्तुत शोध प्रश्न महत्वपूर्ण है? पत्रिका के लिए इसकी मौलिकता और उपयुक्तता का निर्धारण करने के लिए स्कोपस आदि उपकरणों का उपयोग करते हुए, प्रकाशित व्यापक शोध के संदर्भ में लेख पर विचार करना सहायक हो सकता है। यदि इस तरह के अनुसंधान को पहले किसी प्रकाशित अनुसंधान में कवर किया गया है, तो संपादक को कोई प्रासंगिक संदर्भ अग्रेषित करें।

- **प्रारूप**

लेखकों को पत्रिका के लेखकीय दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करना चाहिए, जिसमें पांडुलिपि की प्रस्तुति शामिल है। यदि लेखक स्पष्ट रूप से इन दिशा-निर्देशों के अनुसार लेख प्रस्तुत करने में विफल रहा है और संपादक ने समीक्षा के लिए

प्रेषित करने से पहले ही इसे रेखांकित नहीं किया है, तो आपको इसे संपादक को बताना चाहिए या अपनी समीक्षा में नोट करना चाहिए।

स्पष्टता

- **शीर्षक:** क्या शीर्षक पांडुलिपि/लेख को स्पष्ट रूप से प्रकट करता है? क्या इसमें महत्वपूर्ण कीवर्ड शामिल हैं (इस विचार से कि आप शोध लेखों को कैसे खोजते हैं) और शोध के महत्व को प्रदर्शित करते हैं? क्या इसका कोई अर्थ है?!
- **सारांश:** क्या यह लेख की सामग्री को समग्रता में दर्शाता है?
- **परिचय/प्रस्तावना:** क्या यह इस बात को सामने लाता है कि लेखक ने मुख्य रूप से क्या हासिल करने की कोशिश की है, और क्या यह स्पष्ट रूप से केन्द्रीय समस्या को दर्शाता है? आम तौर पर, परिचय को अनुसंधान का संदर्भ प्रदान करने के लिए संक्षेप में प्रस्तुत करना चाहिए और यह स्पष्ट करना चाहिए यदि अन्य लेखकों के किसी निष्कर्ष (यदि कोई हों) को चुनौती दी जा रही है या विस्तारित किया जा रहा है। इसमें प्रयोग, परिकल्पना और सामान्य प्रयोगात्मक विधि का वर्णन होना चाहिए।
- **प्रविधि:** क्या लेखक स्पष्ट रूप से व्याख्या करता है कि आंकड़े कैसे एकत्र किये गये हैं? क्या आरेखण प्रश्न के उत्तर के लिए उपयुक्त है? क्या शोध करने के लिए आपके पास पर्याप्त जानकारी मौजूद है? क्या लेख में पालन की जाने वाली प्रक्रियाओं की पहचान है? क्या इनका अनुपालन किया गया है? यदि नई विधियों का प्रयोग है, तो क्या उन्हें विस्तार से समझाया गया है? क्या मात्र नमूना लेना ही पर्याप्त था? क्या समीक्षा पद्धति का समग्र रूप से वर्णन किया गया है? क्या लेख यह स्पष्ट करता है कि किस प्रकार का आंकड़ा लिया

गया था; क्या मापन का उल्लेख करने में लेखक सफल रहा है?

- **संख्या संबंधी त्रुटियाँ:** ये सामान्य हैं और इसलिए पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए।
- **परिणाम:** यह वह स्थान है जहाँ लेखक को स्पष्ट शब्दों में व्याख्या करनी चाहिए कि उन्होंने शोध में क्या खोज की है। इसे स्पष्ट और तार्किक क्रम में रखा जाना चाहिए। आपको इस बात पर विचार करना होगा कि क्या विश्लेषण उचित ढंग से किया गया है। क्या आंकड़े सही हैं? यदि आप आँकड़ों से सहज नहीं हैं, तो कृपया अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते समय संपादक को इस बात की जानकारी दें। इस खंड में सिर्फ परिणाम प्रस्तुत किये जाय, उनकी व्याख्या को इस खंड में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।
- **निष्कर्ष:** क्या इस खंड में उचित दावे किये गए हैं और क्या उन्हें परिणामों का समर्थन प्राप्त हैं? क्या निष्कर्ष लेखक की उम्मीदों के अनुरूप हैं? क्या निष्कर्ष, आलेख के अन्य तत्वों को समेकित रूप से प्रस्तुत करता है? क्या आलेख पिछले सिद्धांतों का समर्थन या खंडन करता है? क्या लेखक समझता है कि शोध ने अब तक के ज्ञान में क्या और कैसे कुछ जोड़ा है?
- **ग्राफिक्स (आंकड़े, चित्र) और तालिकाएँ:** जहां ये शामिल हैं, कृपया इसकी जांच करें और यदि संभव हो तो सुधार के लिए सुझाव दें। क्या आंकड़े और तालिकाएँ पाठक को सूचनाएं देती हैं? क्या वे पांडुलिपि का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं? क्या ग्राफिक्स आंकड़ों का सटीक वर्णन करते हैं? क्या वे सही ढंग से आंकड़ों का प्रदर्शन करते हैं? क्या उनकी व्याख्या करना और समझना आसान है?
- **भाषा:** क्या भाषा (अंग्रेजी या हिंदी) की गुणवत्ता से लेखक के तर्क को समझना कठिन हो जाता है? यदि ऐसा है, तो आपको

भाषा ठीक करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आपको अपनी समीक्षा में इसका उल्लेख करना चाहिए।

- **कार्यक्षेत्र** - क्या लेख पत्रिका के उद्देश्य, कार्यक्षेत्र, विषय एवं दर्शन क्षेत्र के अनुरूप है?

लिखित टिप्पणी के लिए दिशा-निर्देश

कृपया लेखक के लिए विस्तृत समीक्षात्मक टिप्पणियां तैयार करें। याद रखें कि पत्रिका यह पूरी टिप्पणी लेखक को भेजेगी। तब भी जब आप पांडुलिपि से सहमत न हों और उसकी आलोचना करनी हो तो अपनी अनुशंसा के समर्थन में टिप्पणियां प्रदान करते समय विनम्र एवं समालोचनात्मक होना महत्वपूर्ण है। लेखक के लिए अपनी टिप्पणियों में यथासंभव सार्वभौमिक, विशिष्ट और रचनात्मक होने का प्रयास करें। पांडुलिपि में सुधार करने के लिए आपकी टिप्पणियों को लेखक के लिए सहायक होना चाहिए, भले ही आप मानते/मानती हों कि पांडुलिपि पत्रिका में प्रकाशन के योग्य नहीं है।

टिप्पणियाँ लिखते समय, कृपया केवल संपादकों के लिए निर्दिष्ट टिप्पणियों के उस अनुभाग को रेखांकित करें जिसे लेखक को भेजा जा सकता है या नहीं भेजा जा सकता। कृपया अपने किसी भी प्रश्न या संशय के लिए संपादकीय कार्यालय से संपर्क करने में संकोच न करें। लेखक के लिए टिप्पणियाँ तैयार करने के लिए निम्नलिखित प्रारूप का सुझाव है:

- *आलेख के योगदान और महत्वपूर्ण पक्षों की पहचान: क्या यह आलेख जर्नल के लिए उपयुक्त है? मौजूदा समाज एवं शिक्षा विज्ञान के अभ्यास में इसका क्या योगदान है? आलेख की ताकत क्या है? यदि, आपके आकलन में आलेख कोई योगदान नहीं देता है या उसमें कोई महत्वपूर्ण बात नहीं, तो आलेख के सार को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए विनम्र शब्दों में एक पैराग्राफ उपयुक्त होगा।*

- *आलेख की प्रमुख कमजोरियां:* निम्नलिखित कुछ प्रश्न हैं जिनका समाधान करने का आपको प्रयास करना चाहिए:
 - (क) क्या पांडुलिपि मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त जानकारी प्रदान करती है? यदि नहीं, तो कौन-सी जानकारी की आवश्यकता है? उसका विशिष्ट रेखांकन करें।
 - (ख) क्या पांडुलिपि में गलतियाँ हैं? यदि हां, तो क्या वे ठीक करने योग्य हैं? किस प्रकार? क्या समस्याग्रस्त खंडों को हटाने से समाधान हो जायेगा? यदि समस्या सुधार योग्य नहीं है, तो कृपया कारण स्पष्ट कर दें।
 - (ग) क्या लेखक अपने लक्षित उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है? यदि नहीं, तो उन्हें अब भी क्या करने की आवश्यकता है?
 - (घ) वे कौन से प्रमुख परिवर्तन हैं जो किए जाने चाहिए या वे कौन से प्रमुख मुद्दे हैं जिनका संशोधन में संज्ञान लिया जाना चाहिए?
- अन्य परिवर्तन जो संभावित रूप से पांडुलिपि को और संगठित एवं स्पष्ट करेंगे या वह मामूली परिवर्तन जिन्हें संशोधन करते समय ध्यान दिया जाना चाहिए। मामूली सुधारों पर चर्चा करते समय, पांडुलिपि (पृष्ठ और पैराग्राफ) में उस स्थान को इंगित करना सहायक होगा जहां परिवर्तन किया जाना है।
- *पठनीयता से सम्बंधित:* कुछ प्रश्नों पर आप विचार कर सकते/सकती हैं: (क) क्या आलेख का आकार योगदान के अनुपात में उपयुक्त है? आलेख की शब्द संख्या का उल्लेख लेखकीय दिशा-निर्देश में संदर्भों, तालिकाओं और आंकड़ों को छोड़कर किया गया है। (ख) क्या पांडुलिपि में ऐसे खंड हैं जिन्हें हटाया जा सकता है या और संघनित किया जा सकता है? क्या पांडुलिपि के ऐसे खंड हैं जिन्हें कहीं और स्थानांतरित किया जा सकता है? (ग) क्या आलेख शिक्षाविदों और समाज

विज्ञानियों; दोनों के लिए रोचक होगा? यदि नहीं, तो इसे कैसे समृद्ध किया जा सकता है?

- *मौलिकता*: क्या पांडुलिपि में प्रकाशन को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त नई और महत्वपूर्ण जानकारी या विमर्श है?
- *सार और शीर्षक*: सार के संबंध में टिप्पणियाँ और सुझाव भी यदि कोई हों तो अपेक्षित है (चाहे वह आलेख की सामग्री का एक सटीक और उपयोगी सारांश हो) और शीर्षक (क्या यह आलेख की सामग्री को देखते हुए उपयुक्त है)।
- *साहित्य से सम्बंधित*: क्या आलेख अपने संबोधित क्षेत्र में प्रासंगिक साहित्य की पर्याप्त समझ प्रदर्शित करता है और साहित्यिक स्रोतों का हवाला देता है? क्या सम्बंधित क्षेत्र के किसी महत्वपूर्ण कार्य की उपेक्षा की गई है?
- *कार्यप्रणाली*: क्या आलेख को तर्क सिद्धांत, अवधारणाओं या अन्य विचारों के उपयुक्त धरातल पर तैयार किया गया है? क्या वह शोध या समकक्ष बौद्धिक कार्य जिस पर समीक्षित आलेख आधारित है, उसे अच्छी तरह से समेटा गया है? क्या उपयोग की गयी पद्धति उपयुक्त हैं?
- *परिणाम*: क्या परिणाम स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किए गए हैं और उनका उचित विश्लेषण किया गया है? क्या निष्कर्ष आलेख के अन्य तत्वों को समेकित रूप से प्रस्तुत करते हैं?
- *अनुसंधान, व्यवहार या समाज के लिए निहितार्थ*: क्या आलेख स्पष्ट रूप से अनुसंधान, अभ्यास या समाज के लिए किसी गहरे महत्वपूर्ण निहितार्थ की पहचान करता है? क्या आलेख सिद्धांत और व्यवहार के बीच की मौजूदा खाई को पाटता है? अनुसंधान को व्यवहार में (आर्थिक और सामाजिक स्तर पर), शिक्षण में, सार्वजनिक नीति को प्रभावित करने में, शोध में (ज्ञान या मीमांसा के स्तर पर) कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है? समाज पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है (सार्वजनिक व्यवहार को प्रभावित करना, जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित

करना)? क्या ये प्रभाव आलेख के निष्कर्ष और परिणामों के अनुरूप हैं?

- *सम्प्रेषण की गुणवत्ता:* क्या आलेख मुद्दों को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करता है, विषय या अनुसन्धान क्षेत्र की तकनीकी भाषा और पत्रिका के पाठकों के अपेक्षित भाषा ज्ञान के स्तर पर मापा जा सकता है? क्या सम्प्रेषण की स्पष्टता और पठनीयता पर ध्यान दिया गया है, जैसे वाक्य संरचना, शब्दों का चुनाव, संक्षेपण आदि।

आपके द्वारा समीक्षा की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, आपको पत्रिका के अगले चरण के लिए संपादक को सिफारिश करने की आवश्यकता होती है। अनुशंसा के मानदंड एक पत्रिका से दूसरे पत्रिका में भिन्न हो सकते हैं। संपादक आपकी संपूर्ण अनुशंसाओं को ध्यान में रखेंगे/रखेंगी।

अनुशंसाएँ:

- स्वीकार करें
- संक्षिप्त संशोधन
- विस्तृत संशोधन
- अस्वीकार करें

**प्रो. मनीषा प्रियम
संपादक, परिप्रेक्ष्य**